



SAFALTA CLASSTM

An Initiative by **अमर उजाला**

1. मौखिक अभिव्यक्ति में निम्नलिखित में से कौनसी विशेषता नहीं होनी चाहिए :

a. अवसरानुकूल

b. शुद्धता

c. श्रोताओं से काफी उच्च स्तर की भाषा का प्रयोग

d. प्रवाहमयता

2. निम्नलिखित में से कौनसा भाषा शिक्षण का उद्देश्य है?

- a. भाषा की बारीकी और सौन्दर्यबोध को सही रूप में समझने की क्षमता को हतोत्साहित करना
- b. निजी अनुभवों के आधार पर भाषा का सृजनशील प्रयोग करना
- c. भाषा के व्याकरण सीखने पर बल देना
- d. भाषा सीखते समय त्रुटियाँ बिल्कुल न करना

3. भाषा तब सबसे सहज और प्रभावी रूप से सीखी जाती है जब

- a. भाषा प्रयोग की दक्षता प्रमुख उद्देश्य हो
- b. भाषा शिक्षक कठोर रवैया अपनाते हैं
- c. भाषा की पाठ्य-पुस्तक में अधिक से अधिक पाठों का समावेश हों
- d. भाषा के नियम कण्डस्थ कराए जाएँ

4. बहुभाषिक कक्षा में शिक्षक में इतनी योग्यता आवश्य हो कि वह
 - a. सभी बच्चों की मातृभाषाओं की संरचनाओं को जान सके
 - b. विभिन्न भाषाओं में पाठों की विषय वस्तु का शब्दशः अनुवार कर सके
 - c. सरल प्रश्न पत्र बना सके
 - d. पाठ्य पुस्तक को जल्दी पूर्ण करा सके

[निर्देश: निम्नलिखित गद्यांश को सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिये तथा प्रश्नों के उत्तर दीजिये। परमात्मा के किसी भी स्वरूप को इष्ट मानकर उसका ध्यान करने से मन शुद्ध होता है। भगवान के ध्यान में तन्मयता नहीं होगी तो मन संसार का ध्यान करता रहेगा। इससे बचने का प्रयास करें। प्रायः हर साधक को ध्यान के प्रारंभ में संसार दिखता है। ध्यान में ईश्वर दर्शन नहीं दे तो कोई बात नहीं लेकिन लौकिक पदार्थों का चिंतन न करें। व्यापक को खोजने की नहीं, बल्कि पहचानने की आवश्यकता होती है। एक घड़ी आती है जब आप लीन हो जाते हैं समस्त सत्ता के बीच। उस घड़ी, उस पल, उस क्षण जो अनुभूति होती है, वह अनुभव परमात्मा का है। चेतना की अकेली अवस्था ही ध्यान है। जब चेतना के सामने कोई विषय, कोई उद्देश्य नहीं रह जाए तो उस स्थिति का नाम ध्यान है। ईश्वर एक है, किंतु उसके नाम और स्वरूप अलग हैं।

प्रभु के स्वरूप का बार-बार चिंतन और मनन करें। मन को प्रभु के स्वरूप में स्थिर करने का प्रयास करें। प्रभु के ध्यान में तन्मयता लाएं। प्रभु के अंग का चिंतन करना ध्यान है और सर्वांग का चिंतन करना धारण है। परमात्मा के ध्यान से यह जीव ईश्वर में मिल जाता है। ध्यान करने वाला ध्येय में मिल जाता है। जीवन में जब सत्य घट जाता है तब जीवन में श्रेष्ठ सीढ़ियां कभी भी चढ़ी जा सकती हैं। खोने का तो प्रश्न ही नहीं? पाने के बाद खोने का रास्ता नहीं। अंधकार और प्रकाश आपस में लड़ नहीं सकते। प्रकाश के आते ही अंधकार के लिए कोई स्थान नहीं। ध्यान तो अंदर की यात्रा है। अंतर्मन के सजग प्रहरी बनकर समाधि लगाई जा सकती है। समाधि परमात्मा प्राप्ति का अंतिम द्वार है। मनुष्य जो भी क्रिया करें, यदि उसे ईश्वर के प्रति समर्पित करके करें तो उसकी प्रत्येक क्रिया ध्यान बन जाती है, भक्ति बन जाती है, योग जाग्रत हो जाता है। ध्यान समस्त विकारों को जला देता है। आज आवश्यकता है कि व्यक्ति जागरूक बने। समाज कल्याण, राष्ट्र कल्याण का संकल्प लेकर अपनी आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करें। अपने सत्कर्मों से इस जीवन को इस धरा को स्वर्ग बनाएं। रास्ता कोई चुनें, लेकिन लक्ष्य रखें परमानंद की प्राप्ति। सत्य को जानने का, स्वयं को पहचानने का संकल्प आज ही लें। स्वयं को जान लेना सबसे बड़ी चुनौती है। कुछ ऐसा करें कि समाधि अंतिम लक्ष्य, अंतिम पड़ाव बन जाए। समाधि से साक्षात्कार हो जाए।

5. उपरोक्त गद्यांश में किसके अभाव से मनुष्य परमात्मा में लीन नहीं होसकता है

- a. चिंतन
- b. तन्मयता
- c. ध्यान
- d. अनुभूति

6. उपरोक्त गद्यांश के अनुसार, ध्यान और धारण में क्या अंतर है?

- a. परमात्मा के पूर्ण स्वरूप का चिंतन ध्यान है और परमात्मा के नाम का चिंतन धारण है।
- b. परमात्मा के पूर्ण स्वरूप का चिंतन धारण है और परमात्मा के नाम का चिंतन ध्यान है।
- c. परमात्मा के अंश का चिंतन ध्यान है और सम्पूर्ण अंश का चिंतन धारण है।
- d. परमात्मा के अंश का चिंतन धारण है और सम्पूर्ण अंश का चिंतन ध्यान है।

7. तन्मयता" का पर्यायवाची शब्द नहीं है।

- a. एकाग्रता
- b. तल्लीनता
- c. ध्यानस्थ
- d. उलाहना

8. परमात्मा" शब्द का विग्रह और समास होगा।

- a. परम है जो आत्मा - कर्मधारय समास
- b. परम और आत्मा-द्वंद्व समास
- c. पवित्र आत्माओं का समूह द्विगु समास
- d. आत्मा से परम तत्पुरुष समास

9. उपरोक्त गद्यांश के अनुसार, अंधकार और प्रकाश का क्या संबंध है?

- a. प्रकाश और अंधकार एक-दूसरे के समानार्थी हैं।
- b. अंधकार प्रकाश के अस्तित्व को दर्शाता है।
- c. प्रकाश के आते ही अंधकार के लिए सम्पूर्ण स्थान रहता है।
- d. प्रकाश के आते ही अंधकार के लिए कोई स्थान नहीं रहता है।

10. ईश्वर एक है, किंतु उसके नाम और स्वरूप अलग हैं।" पद व्याकरण की दृष्टि से

- a. सरल वाक्य
- b. साधारण वाक्य
- c. संयुक्त वाक्य
- d. मिश्रित वाक्य

11. उपरोक्त गद्यांश में लेखक ने धरती को स्वर्ग बनाने का कौन सा रास्ता बताया है?

- a. मनुष्य के कर्म
- b. मनुष्य के सत्कर्म
- c. मनुष्य की अवचेतना
- d. मनुष्य के गुण

12. आज के इस आधुनिक युग में जीवन की सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

- a. स्वयं को पहचानना
- b. ध्यान करना
- c. योग करना
- d. समाधि का मार्ग अपनाना

13. आध्यात्मिक" शब्द का विलोम है।

- a. अपरंपरागत
- b. निस्सवार्थ
- c. संतोषपूर्वक
- d. भौतिक

14. बहुभाषिकता भाषा की कक्षा की:-

- a. अनिवार्य प्रकृति है।
- b. बाधा है।
- c. जटिलताओं को बढ़ाती है।
- d. शिक्षक के लिए कार्य-भार बढ़ाती है।

15. निम्न में से क्या प्राथमिक विद्यालयों के बालकों के लिए बेहतर सिखने का स्रोत है?

- a. विडियो अनुरूपण
- b. प्रदर्शन
- c. स्वयं के द्वारा किया गया अनुभव
- d. इनमे से सभी

16. निर्देश: सबसे सही विकल्प चुनिए: भाषा में सतत् और व्यापक आकलन का उद्देश्य क्या है?

- a. भाषा के व्याकरण का आकलन करना
- b. भाषा के मौखिक और लिखित रूपों के प्रयोग की क्षमता का आकलन
- c. पढ़कर समझने की क्षमता का आकलन
- d. वर्तनी की अशुद्धि के बिना लिखने की क्षमता का आकलन

17. भाषा-शिक्षण के लिये प्राथमिक स्तर पर अधिक अनिवार्य है।

- a. पाठ्य पुस्तक
- b. तकनीकी यन्त्रभाषा
- c. प्रयोग
- d. भाषा सम्बन्धी नियम

18. निर्देश: सबसे उचित विकल्प चुनिए।

- a. भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियाँ सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं।
- b. भाषा-अपरिपक्वता को दर्शाती है।
- c. अक्षम्य हैं।
- d. शिक्षक की कमी को दर्शाती हैं।

19. ग्राहनात्मक कौशलों में शामिल हैं।

- a. सुनना, बोलना
- b. बोलना, लिखना
- c. सुनना, पढ़ना
- d. पढ़ना, लिखना

20. कविता-शिक्षण में आप सर्वाधिक महत्त्व किसे देंगे?

- a. कविता में अलंकारों की पहचान।
- b. कविता का भाव विश्लेषण।
- c. कविता के तत्वों के आधार पर उसकी समीक्षा।
- d. कविता का भावपूर्ण पठन और रसानुभूति।

21. निर्देश: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सबसे उचित विकल्प चुनिए।

प्राथमिक स्तर पर भाषा शिक्षण के अन्तर्गत बातचीत एक महत्वपूर्ण उपकरण है, क्योंकि

- a. बच्चों को बातचीत करना अच्छा लगता है।
- b. बातचीत शिक्षण का अनिवार्य अंग है।
- c. हमारी पाठ-योजना में पहले से ही प्रस्तावित है।
- d. यह सीखने और सीखी हुई बातों को सुदृढ़ बनाने का एक आधारभूत माध्यम है।

22. ईमानदारी कौन-सा संज्ञा है ?

- (A) यक्तिवाचक
- (B) भाववाचक
- (C) समूहवाचक
- (D) इनमें से कोई नहीं

23. लंबोदर कौन-सा शब्द है ?

- (A) रूढ़
- (B) योगिक
- (C) योगरूढ़
- (D) ये सभी

24. मैं कौन-सा पुरुष है ?

- (A) उत्तम पुरुष
- (B) मध्यम पुरुष
- (C) अन्य पुरुष
- (D) इनमें से कोई नहीं

25. आप' कौन-सा सर्वनाम है ?

- (A) निश्चयवाचक
- (B) अनिश्चयवाचक
- (C) निजवाचक
- (D) इनमें से कोई नहीं

26. गोल' विशेषण है ?

- (A) सार्वनामिक विशेषण
- (B) परिमाणवाचक विशेषण
 - (C) गुणवाचक विशेषण
 - (D) इनमें से कोई नहीं
- .

27. नाक कौन-सा लिंग है ?

- (A) पुलिंग
- (B) स्त्रीलिंग
- (C) (A) और (B) दोनों
- (D) इनमें से कोई नहीं

28. मैं आज नहीं पढ़ूँगा' कौन-सा वाक्य है ?

- (A) निषेधवाचक वाक्य
- (B) विधिवाचक वाक्य
- (C) आज्ञावाचक वाक्य
- (D) संकेतवाचक वाक्य

29. यदि तुम चलो तो मैं भी चलूँ कौन-सा वाक्य है ?

- (A) विस्मयवाचक वाक्य
- (B) आज्ञावाचक वाक्य
- (C) संकेतवाचक वाक्य
- (D) निषेधवाचक वाक्य

30. वह कुल्हाड़ी से वृक्ष काटता है' इस वाक्य में 'से' किस कारक की विभक्ति है ?



- (A) अधिकरण
- (B) सम्प्रदान
- (C) करण
- (D) अपादान

